SA-530 (R)
अंकेक्षण निर्दशन

प्रश्नः 01 अंकेक्षण निर्दशन क्या है तथा अंकेक्षक का क्या उद्देश्य हैं ज बवह अंकेक्षण निर्दशन का उपयोग करता हैं ?

उत्तरः SA-530 के अनुसार, अंकेक्षण निर्दशन उन लागू होने वाली अंकेक्षण प्रविधियों को संदर्भित करता है जो अंकेक्षण से संबंधित एक समग्र (Population) में से 100% से कम मदों पर लगाई जाती है।

जब अंकेक्षक, अंकेक्षण निर्दशन प्रविधियों का उपयोग करता है जब उसका उद्देश्य होता है कि वह अंकेक्षक को चुने गये निर्दशन में से समग्र के बारे में निष्कर्ष निकालने के लिये एक उचित आधार प्रदान कर सके। यहॉ समग्र का आशय है एक संपूर्ण ऑकड़ो का समूह जिसमें से एक निर्दशन का चयन किया जाता है तथा जिसके बारे में अंकेक्षक निष्कर्ष निकालना चाहता है।

प्रश्नः 02 अंकेक्षण निर्दशन में शामिल चरण क्या हैं ?

उत्तरः Step – 1 निर्दशन का डिजाईन :–

जब अंकेक्षण निर्दशन का डिर्जाइन किया जाता है, तब अंकेक्षक को अंकेक्षण प्रक्रियाओं के उद्देश्य तथा समग्र की विशेषताओं को ध्यान में रखना चाहिये जिसमें से निर्दशन लिया जाता है यदि

Step: 2 निर्दशन के आकार को सुनिश्चित करना :–

अंकेक्षक को इस प्रकार से निर्दशन के आकार को सुनिश्चित करना चाहिये जो एक स्वीकृत सीमा तक निर्दशन की जोखिम को कम करने में पर्याप्त हो। निर्दशन का आकार निर्दशन जोखिमक की मात्रा , अंकेक्षक की मिथ्याकथन को सहन करने की श्रेणी तथा अनुमानित गलतियों पर आधारित होता है। यदि निर्दशन जोखिम तथा अनुमानित गलतियॉ अधिक होती है तो निर्दशन का आकार भी बड़ा होगा तथा Vis a Vis यहॉ सहन करने योग्य मिथ्याकथन का आशय है अंकेक्षक द्वारा सेट की गई मौद्रिक राशि जिसके संबंध में अंकेक्षक आश्वासन की एक उचित सीमा को प्राप्त करने की खोज करता है कि अंकेक्षक द्वारा सेट की गई अनुमानित मौद्रिक राशि , समग्र में विद्यमान वास्तविक मिथ्यावर्णन से अधिक नहीं है।

Step: 3 निर्दशन के लिये मदों का चयन :–

अंकेक्षक को इस तरह से निर्दशन के लिये मदों का चयन करना चाहिये कि समग्र में प्रत्येक निर्दशन को चुने जाने का अवसर मिले। निर्दशन के चुनाव की सामान्यतः तीन विधियॉ है –

1. मनमाना चयन (Haphazard selection)
2. दैव चयन (Random selection)
3. व्यवस्थित चयन (Systematic selection)

Step: 4 चयनित निर्दशन पर अंकेक्षण प्रविधियों का निष्पादन :–

अंकेक्षक को प्रत्येक चयनित मदों पर , उचित अंकेक्षण प्रविधियों का निष्पादन करना चाहिये।

Step: 5 विचलनों तथा मिथ्यावर्णन की प्रकृति तथा कारणों की समीक्षा –

यदि पहचान ली जाती है तो अंकेक्षक को पहचाने गये विचलनों तथा मिथ्यावर्णनों की प्रकृति तथा कारणों की जॉच कर लेना चाहिए। तथा अंकेक्षण प्रविधियों तथा अंकेक्षण के अन्य क्षेत्रों के उद्देश्य हेतु उसके संभावित प्रभावों का भी मूल्यांकन कर लेना चाहिए।

Step: 6 मिथ्यावर्णन का प्रायोजन (Projacting)

विवरणों का परीक्षण करने के लिये अंकेक्षक को समग्र (Population) के निर्दशन में पाए गये मिथ्यावर्णनों का प्रायोजन कर लेना चाहिये।

CA Aseem Trivedi

Step: 7 अंकेक्षण निर्दशन के परिणामों का मूल्यांकनः–
अंकेक्षक को –

1. निर्दशन के परिणामों का मूल्यांकन कर लेना चाहिये, तथा
2- यह मूल्यांकित करना चाहिये कि क्या अंकेक्षण निर्दशन का उपयोग जॉचे गये समग्र (Population) के बारे में निष्कर्ष निकालने के लिये एक उचित आधार प्रदान करता है।

प्रश्नः 03 निर्दशन जोखिम क्या हैं तथा उसके कितने प्रकार हैं ?

उत्तरः SA-530 के अनुसार , निर्दशन जोखिम उस जोखिम को संदर्भित करती है कि अंकेक्षक के निष्कर्ष जो एक निदर्शन पर आधारित होते है , वह उन निष्कर्षो से पृथक होते है जो तब उत्पन्न होते है जब यदि संपूर्ण समग्र पर ही अंकेक्षण प्रविधि लागू की जाती है।

निर्दशन जोखिम दो प्रकार के गलत निष्कर्षो की ओर ले जाती है।

(01) नियंत्रण की जॉच की दशा में वह नियंत्रण ज्यादा प्रभावी होता है जो वास्तव में है अथवा विवरण की जॉच की दशा में एक महत्वपूर्ण मिथ्यावर्णन विद्यमान नहीं रहता जब वास्तव में वह जॉच की जाती है। शुरूआत में अंकेक्षक इसी प्रकार के गलत निष्कर्ष से परिचित होता है क्योंकि यह अंकेक्षण की प्रभावोत्पादकता को प्रभावित करता है तथा एक अनुचित अंकेक्षण राय की ओर ले जाता है।

CA Aseem Trivedi